

The Gazette of India

असाधारगा EXTRAORDINARY,

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

tio 376] No. 376] नई विस्लो, बृहस्पतिवार, जुलाई 23, 1887/श्रावण 1, 1909 NEW DELHI, THURSDAY, JULY 23, 1987/SRAVANA 1, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी काती है जिसले कि यह अलग संकलन के रूप में रखा वा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

खाद्य और नागरिक पूर्ति संत्रालय

्र(नागरिक्क पूर्ति विभाग)

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 1987

अविस्चनाएं

का. या. 730(या) :-- केन्द्रीय सरकार, प्रश्निम संविदा (विनियम्त) प्रिष्टिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के प्रधीन प्रहमदाबाद काँटन मर्चेन्ट्स एसोझिएणन, प्रहमदाबाद हारा मान्यता के नवीं करण के लिए किए गए प्रावेदन पर वायदा बाजार ग्रांगोंग, बम्बई के परामर्श में विचार करके ग्रीर यह समाधान ही जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में औं होगा, एनद्द्वारा उक्त ग्रांशिनियम के धारा 6 हारा प्रदस्त गर्कियों का प्रयोग करने हुए उक्त एसोसिएशन की कपास में ग्रंपिम संविदा ने बारे में 31 जुलाई, 1987 से 30 जुलाई, 1989 (जिसमें ये दोनों दिन ग्रामिल हैं) की 2 वर्ष की ग्रीर ग्रविद्

2. एतद्द्वारा भारतता इस शर्त के अध्यादीन है कि उनत एसोसिएशन ऐसे निर्देशों का अनुपालन करेगी, जो वायदा बांबार अध्योग द्वारा समाय-समय पर दिये जाए ।

[मिसिल (. 12/1/प्राई. टी./87]

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies) New Delhi, the 23rd July, 1987

NOTIFICATIONS*

S.O. 730(E).—The Central Government, having considered, in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Ahmedabad Cotton Merchants' Association, Ahmedabad, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 if the said Act, recognition to the said Association for a further period of two years from the 31st July, 1987 to the 30th July, 1989 (both days inclusive) in respect of forward contracts in cotton.

\$2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply

with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[File No. 1211]IT[87]

मा पा 700(म) किनीय गरकार सिम गतिश (विनियमन) स्रिमियम 1952 (1952 को 74) की धारा 5 के अधीन सेट्राल गुजरात काटन देलसे एसोसिएमत बंधोदर द्वारा सामान के नहीं करण के लिए लिए गए आवेदन ११ पायदा आजार चायीक सम्बद्ध के परमाण से बनार करने चौर यह समाधान हो तो पर कि ऐसा करना व्यापाह के दिल में और लोगोंहन में सा हाता एतद्द्वार उनन प्रशित्यम की धारा 6 द्वारा प्रदत्य णितनमें का हता एतद्द्वार उनन प्रशित्यम की धारा 6 द्वारा प्रदत्य णितनमें का हता प्रश्ते हुए उनन एगोंसिएमन की धारा में प्रश्निम समिदा के बारे में 31 जुमाई, 1987 से 30 जुनाई, 1989 (जिसमें ये दोनों दिन स्थापत है) की 2 वर्ष की भीर प्रविधि के लिए मान्यना प्रान करनी है।

७ एतद्वारा भारतता इस मर्ल के स्ट्यार्थका है कि अक्ट्र एसोसिएणन ऐसे निर्देशों का स्तृतिकत करेगे, श्री बत्यदा सामार शालीग द्वारा समय-सनक विष् भए ।

[भिमिल में. 12/1/यार्ड टी /87]

SO, 731(L)—The Cenral Government, having considered, in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act 1952 (74 of 1952) by the Central Gujarat Cotton Dealers' Association, Vadodara and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a further period of two years from the 31st July, 1987 to the 30th July, 1989 (both days inclusive) in respect of forward contracts in cotton.

The recognition hereby garnted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[File No. 12'1'17 87]

ना भी १३२(ग्रा): -केन्द्रीय गण्कार, प्रमिन रुखिद्रा (विनिधनन) श्रीभिनियम, 1952 (1952 को १३) की धारों र के प्रार्थ न साइर्यन गुजरान करिन रीलर्य एसीमिए।न, सूरत द्वारा मान्या। के नलेकरण की लिए किए गए प्रार्थित पर बारदी बाजीर आधार के परानणे से विचार केरले ग्रीर यह समाधान हा जाते पूर कि ऐसा करना क्यापार के हिल में श्रीर लोकहित में भी होगा, एनदहारा उक्त ग्रीधिनयन की धारा 6 होगा अस्ति गिविद्यों का प्रयोग करते हुए उवत एसीमिएशन को कपास में श्रीक्ष सैविद्यों से लोगे में 31 जुलाई, 1987 से 30 जुलाई, 1989 (जिसमें से दोनों दिन णामिल है) का २ वर्षों भी छीर श्रीर अविद्

े एतद्द्वारा सास्यमा इस णर्थ ने अध्यार्ध न है नि इक्क एमोनिएणन ऐसे निर्देशों का प्रमासन करेगा, जो बायदा बाजार आर्थाए द्वारा सभय-समय पर दिस्य जाए ।

[सिमिल ग. १७/१/ब्राई, ही:/87]

S.O. 732(E).—The Central Government. having considered, in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward

Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Southern Gujarat Cotton Dealers' Association, Surat, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do. hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a further period of two years from the 31st July, 1987 to 30th July, 1989 (both days inclusive) in respect of forward contracts in cotton.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[File No. 1241 IT 87]

का. घा. 733 (घ) '-- केन्द्रीय सरकार, घयिय संविद्रा (विविधन) अधितियमें, 1952 (1952 को 74) की धारा 5 के अधीन गांधित इंग्लिया कटिन एसंगिएनन नि., भटिंग्डा डाग भारतना के नधीकरण के लिए किए गए आयेवन गर वायदा बाजार धारीय के परानमं से जिलार करके और यह समाधान ही जाने पर कि ऐमा करना खायार के दिन में और नौकडिन में, भी हीना, एनद्शार, उन्न अधितियन की सार, में होना परान्य एसंगिएन की सार, में होना परान्य एसंगिएन की सार, में होना परान्य एसंगिएन की सार, में बाद में प्रीय मंदिन के अपने में 31 घृताई, 1957 से 30 जुलाई, 1989 (जिसमें ये दोनों दिन शामित है) की 2 वर्ष की भीर अपनि के जिलार मास्थना प्रवान करनी है।

2. एतन्द्वारम मारक्ता इस अर्थ के पश्यायक है कि उर्शन एसोमिएगन ऐंगे निर्देशों का अनुपादन करेगे, जो बादबा बाजार आयोग आरं सनमन् सगप पर दिए नाई।

[मिमिल में. 12/1/अ)ई. ट¹९७]

- S.O. 733(E) —The Central Government, having considered, in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the Northern India Cotton Association Lt., Bhatinda and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a further period of two years from the 31st July, 1987 to 30th July, 1989 (both days inclusive) in respect of forward contracts in cotton.
- 2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such direction as may, from time to time be given by the Forward Markets Commission.

[File No. 12:1/1T]87]

का पर 7 स्प(प) - - केन्द्रिय सरकार, श्रांपम संबदा (विक्रियम) अधिन्यम. 1952 (1952 का 71) की धारा 5 के मधीन मेहल इणिक्रम कॉटन एसोसिएणन लि , उन्नेन द्वारा मान्यसा के नवीकरण के निए किए गए आयेदन पर बायदा बाजार मान्यसा के परासर्ण में विचार सरके बार पर समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हिन में और नोजहित में भी होगा. एनद्दारण उक्त श्रिक्तियम की धारा 6 द्वारा प्रदेश श्रिक्तियम की अधार में अग्रिम मंबिदा के बारे में 31 जुलाई, 1987 में 30 जुलाई, 1989

(जिसमें में दोनों दिन शामिल हैं) की 2 वर्ष की भीर भवति के लिए मार्यना प्रदान करती है।

.2. एत्यद्वारा मान्यता इस वर्ष भ व्यव्याधीन है कि उक्त प्रमोसिएणत ऐसे निर्देणों का ब्रमुणावन परिकी, को पावदा बाजार भाषीए धारा सुत्य समय पर दिये आए ।

[भिभिन में 1 % / प्राई है। . / % 7]

- S.O. 734(E).—The Central Government, having considered, in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Central India Cotton Association Ltd., Ujjain and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do. hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of said Act, recognition to the said Association for a further period of two years from the 31st July, 1987 to the 30th July, 1989 (both days inclusive), in respect of forward contracts in cotton.
 - 2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions, as may, from time to time, begiven by the Forward Markets Commission.

[File No. 12]1!IT[87]

का या 735(म):—केन्द्रीय नरकार स्रथिन संक्षित्र (विभिन्नपन) प्रितियम, 1952 (1952 का 71) की धारा 5 के प्रार्थन साइत्य विषयम केटन एसोलिएसन, कोवन्वतूर हारा सान्यता के नर्वकारण के कि किये गए प्रार्थित पर आयदा आजार प्रारोग के प्राप्तर्थ से विचार

करिके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हिल में और लोकटिए से भी होता, एनव्दाण उक्त पश्चिनयम की धारा 6 हारा 1944 पतिनयों का प्रयोग करते हुए उन्त एमोलिएशन की गणाम के आधाम लेजिया के बारे 31 जाकि 1947 न 10 जुलाई. 1989 (जिसमें के दोतों दिन शानिस्त है) की 2 वर्ष की जीव शब्दिक है लिए मानाम प्रभाव करती हैं।

१. एतदद्वारः माध्यतः इस गर्न के अध्याधीन है कि उनत एसोलिएणः ऐसे तिर्देशों का अनुवालन केरेगंः जो बायश बाशार प्रार्थाः द्वारा सनः। समय पर दिये जाएं।

> , [निनिल सं. 12]1/बाई, टी./87] पं), एस, सौल, प्रतिश्य सर्गण

- S.O. 735(E).—The Central Government, having considered, in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the South India Cotton Association, Coimbatore and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of said Act, recognition to the said Association for a further period of two years from the 31st July, 1987 to the 30th July, 1989 (both days inclusive) in respect of forward contracts in cotton.
- 2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[File No. 12/1/IT/87]
P. N. KAUL, Economic Adviser